International Conference on Innovations in Science, Engineering, Management & Humanities
(ICISEMH – 2022)
24TH April, 2022, Hyderabad, Telangana, India

CERTIFICATE NO : ICISEMH /2022/ C0422462

दूरदर्शन की फिल्मों में हिन्दी के प्रयोग का अध्ययन

THOMAS DAINTY VARGHESE

Research Scholar, Department of Hindi,
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P.

सारांश

आजकल दूरदर्शन के सबसे सशक्त और लोकप्रिय कार्यक्रम के रूप में फिल्म का अपना विशिष्ट स्थान है। इसकी कुछ विशेषताएँ भी ऐसी हैं जिनके कारण यह चमत्कारिक, कौतुहलवर्धक एवं अपने संचार क्षेत्र में दिककाल की सीमाओं को पार कर गया है। दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाली विभिन्न फिल्मों के द्वारा हिन्दी का प्रसार बढ़ा है। इतना ही नहीं बल्कि हिन्दी को सुगठित और मजबूत बनाने एवं लोगों में रुचि को जागृत करने के लिए महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिल्मों और टी.वी. के माध्यम से निस्संदेह हन्दी तथा दूसरी भारतीय भाषाओं में परस्पर सौहार्द बढ़ा है। हिन्दी को व्यावहारिक बनाने में और शिक्षित या अशिक्षित करोड़ो देशवासियों को अपनी भावनाओं को भी उन्हीं फिल्मों के द्वारा समझने में सहायता मिली है। हिन्दी को व्यापकता प्रदान करने में हिन्दी फिल्मों का प्रभावी योगदान रहा है। भारत में हर सात्र एक हजार के आसपास की संख्या में फिल्में बनती है, जिनमें आधी से अधिक फिल्में हिन्दी में होती हैं। हिन्दी फिल्में आरंभ से ही कलकत्ता, बम्बई, मद्रास जैसे अहिन्दी भाषी नगरों में बनती रही हैं तथा उनका अखिल भारतीय प्रदर्शन होता है। हिन्दी फिल्में हिन्दी और अहिन्दी भाषी जनता द्वारा बड़े पैमाने पर देखी और सराही जाती रही हैं। हिन्दी फिल्मों के अधिकांश दर्शक अहिन्दी भाषी हैं, जो हिन्दी बोल नहीं सकते, पर समझते हैं। इसका बहुत बड़ा कारण हिन्दी फिल्मों की सरलता तथा उसके संगीत पक्ष है। हिन्दी के गाने सरसता और लयात्मकता के कारण

International Conference on Innovations in Science, Engineering, Management & Humanities
(ICISEMH – 2022)
24TH April, 2022, Hyderabad, Telangana, India

अहिन्दी भाषियों के होठों पर भी रच–बस जाते हैं। यहाँ तक कि विदेशों में भी जहाँ भारतीय जनता बड़ी संख्या में रहती है, हिल्दी फिल्में विशेष रूप से लोकप्रिय होती हैं। फिल्मों ने हिन्दी को लोकप्रियता दिलायी है, बल्कि यह कहना भी अनुचित नहीं होगा कि हिन्दी ले भी इन्हें लोकप्रिय बनाया है।